VAID'S ICS LUCKNOW

IAS/PCS/PCS(J)

Estd :1988

डेली करेंट अफेयर्स जून–2019

(12th June)

Topic: For prelims and mains:

NASA'S INSIGHT SPACECRAFT :

समाचार में क्यों? पिछले दिनों NASA के InSight लैंडर में कुछ समस्याएँ सामने आई हैं. विदित हो कि इस अन्तरिक्षयान में ***"मोल"*** नामक एक उपकरण लगा हुआ था ***जिसका काम मंगल की सतह में गहरे खुदाई करना और तापमान में होने वाले परिवर्तनों की निगरानी करना था।*** योजना था कि ***16 फीट गहरी खुदाई की जाए,*** परन्तु वहाँ की मिट्टी की बनावट के चलते ऐसा करना कठिन हो रहा है. सच्चाई यह कि ***"मोल"*** एक ही फुट गहरा खुदाई कर पाया है।

अब क्या किया जाए?

- इस समस्या के निदान के लिए नासा ने ***एक नई योजना बनाई है जिसके अंतर्गत InSight की रोबोटिक बाँह को उस जगह पर घुसेड़ा जाएगा जहाँ पर "मोल" अपना काम कर रहा है।*** इससे यह होगा कि वहाँ की मिट्टी भुरभुरी हो जायेगी और "मोल" को और भीतर जाने में मदद होगी।

नासा का InSight Mars Lander मिशन

- नासा इस अभियान में ***एक रोबोटिक geologist*** भेजा है जो ***मंगल की खुदाई करके मंगल के तापमान को जानने की कोशिश करेगा।***
- इस मिशन का मुख्य काम मंगल ग्रह की गहरी संरचना के विषय में जानकारी इकठ्ठा करना है. मंगल के सतह, वायुमंडल, आयनमंडल के बारे में वैज्ञानिक पहले से ही जान चुके हैं पर मंगल की सतह के नीचे क्या है, यह अभी भी जानना बाकी रह गया है।

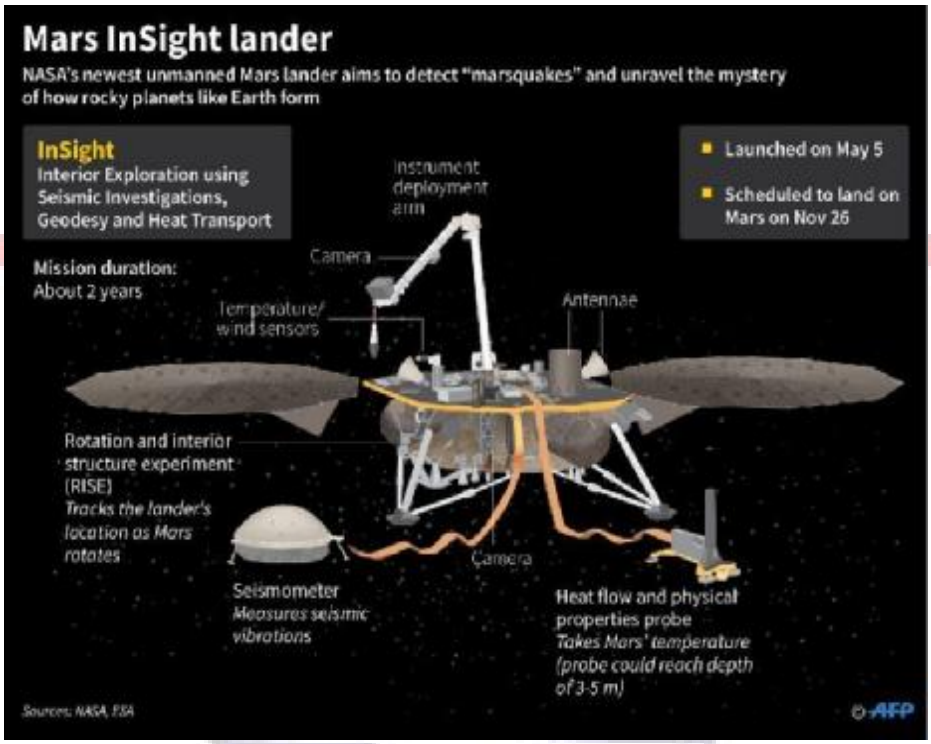

क्या है तकनीक?

- इस मार्स लैंडर में ***एक सिस्मोमीटर लगा है जो भूकम्प की तीव्रता*** की जाँच करेगा।
- इसमें एक हीट फ्लो लगा है जो मंगल के सतह से ***5 मीटर/16 ft-*** तक अन्दर जाकर तापमान जानने की कोशिश करेगा।
- इस अन्तरिक्ष यान में एक रेडियो विज्ञान यंत्र भी लगा हुआ है जो मंगल ग्रह की संरचना और बदलावों की जाँच करेगा।
- इस लैंडर में ***एक थर्मल शील्ड भी लगा है*** जिसका कार्य ***पर्यावरण से सिस्मोमीटर*** को बचाना है।

क्या-क्या खोज करेगा?

- यह Insight Mars Lander मंगल ग्रह की चट्टानों और इस ग्रह का निर्माण कैसे हुआ, यह पता लगाएगा।
- मंगल के rotation track और core के बारे में जानकारी जुटाएगा।

मिशन के लिए मंगल ग्रह ही क्यों?

सौर मंडल के अन्य ग्रहों की तुलना में मंगल न तो बहुत बड़ा है और न ही बहुत छोटा ही है. इसका अर्थ यह हुआ कि मंगल में उसके निर्माण का रिकॉर्ड सुरक्षित है जिससे यह पता लग सकता है कि हमारे ग्रह कैसे बने हैं. सच पूछा जाए तो मंगल ग्रह एक ऐसी उपयुक्त प्रयोगशाला है जिसमें चट्टानी उपग्रहों के निर्माण और विकास का अध्ययन किया जा सकता है. वैज्ञानिकों को पता है कि इस ग्रह में भूवैज्ञानिक गतिविधियाँ उतनी प्रबल नहीं है परन्तु InSight जैसे अन्तरिक्षयान इस सम्बन्ध में अधिक सटीक ज्ञान दे सकेंगे।

****

Topic: For prelims and mains:

वैश्विक कार्बन उत्सर्जन में 2 प्रतिशत की वृद्धि :

समाचार में क्यों? हाल ही में ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र की ***एक बड़ी कंपनी बीपी पीएलसी (BP PLC, British Corporation) द्वारा की गई समीक्षा के अनुसार, 2010-2011*** के बाद वैश्विक कार्बन उत्सर्जन में उच्चतम दर से वृद्धि हुई है।

इस समीक्षा के आधार पर प्रस्तुत की गई रिपोर्ट में ***पिछले वर्ष वैश्विक कार्बन उत्सर्जन में 20 प्रतिशत की वृद्धि*** दर्ज की गई है।

महत्वपूर्ण तथ्य

- वैश्विक कार्बन उत्सर्जन की उच्चतम दर का प्रमुख कारण ***जलवायु परिवर्तन तथा विकास*** के नाम पर लोगों द्वारा किया गया प्रकृति का अत्यधिक दोहन है।
- यदि प्रकृति का दोहन इसी गति से चलता रहा तो ***पृथ्वी ग्रह का भविष्य खतरे में पड़ सकता*** है।
- बीपी पीएलसी द्वारा की गई वैश्विक ऊर्जा की सांख्यिकीय समीक्षा को ***ऊर्जा उद्योग मानक (Energy Industry Standard) के रूप में देखा जाता है।***
- ***बीपी पीएलसी विभिन्न देशों के तेल भंडारों के आकार से लेकर नवीकरणीय ऊर्जा के उत्पादन और विभिन्न खपत दरों आदि के आँकड़े एकत्र करती है।***

मांग में वृद्धि

- वैश्विक ऊर्जा मांग में 2.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। साथ ही दुनिया में ***तेल और प्राकृतिक गैस के उत्पादन में सबसे तेजी से वृद्धि दर्ज की गई।***
- दुनिया भर की सरकारें वैश्विक उत्सर्जन को कम करने के लिये चलाए जाने वाले अभियानों के दबाव के चलते ***ग्रीनहाउस गैसों*** के उत्सर्जन को कम करने का प्रयास कर रही हैं।

क्या अक्षय ऊर्जा है समाधान?

- 2018 में अक्षय ऊर्जा के उपयोग में ***14.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है*** जो ***पिछले वर्ष बिजली उत्पादन में कुल वृद्धि*** का सिर्फ ***एक-तिहाई*** है।

- ऊर्जा के ***'हरित' (Green) रूप पर ध्यान देने से 'नेट-शून्य' उत्सर्जन का लक्ष्य*** प्राप्त ***नहीं*** किया जा सकता।
- इसके बजाय सरकार को प्रदूषणकारी कोयले और तेल के उपयोग में कटौती करने पर अधिक जोर देना चाहिये।

बीपी पीएलसी (BP PLC, British Corporation)

- BP PLC तेल और गैस उत्पादन से संबंधित एक बहुराष्ट्रीय ब्रिटिश निगम है।
- इसका मुख्यालय लंदन, यूनाइटेड किंगडम में है।
- यह तेल और गैस उद्योग के सभी क्षेत्रों में काम करने वाली एक एकीकृत कंपनी है।
- इसके कार्यों में अन्वेषण (Exploration) और उत्पादन, शोधन, वितरण एवं विपणन, पेट्रोकेमिकल्स, बिजली उत्पादन तथा व्यापार शामिल हैं।
- यह जैव ईंधन और पवन ऊर्जा के क्षेत्र में भी नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन में प्रमुख है।

****

Topic: For prelims and mains:

एक्यूट (तीव्र) इंसेफेलाइटिस सिंड्रोम :

समाचार में क्यों? उत्तरी बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में ***एक्यूट इंसेफेलाइटिस सिंड्रोम (Acute Encephalitis Syndrome-AES)*** के कारण कई बच्चों की मौत हो गई, जिसे स्थानीय स्तर पर चम्की बुखार (दिमागी बुखार) के रूप में जाना जाता है।

महत्वपूर्ण तथ्य

- अधिकतर अप्रैल से जून के बीच मुजफ्फरपुर, ***बिहार और आसपास के लीची उत्पादक जिलों*** में AES के मामले देखने को मिलते हैं।
- गर्मी के मौसम के दौरान उच्च तापमान और आर्द्रता के कारण AES के फैलने के दर बहुत अधिक होती है। मुजफ्फरपुर में बच्चों में ***एक्यूट इंसेफेलाइटिस के फैलने और लीची के उपभोग के बीच संबंध को नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल, दिल्ली*** (National Centre for Disease Control) द्वारा डिजीज कंट्रोल, यू.एस. के साथ मिलकर स्पष्ट किया गया।
- आधी पकी हुई लीची में टॉक्सिन्स हाइपोग्लाइसीन (Toxins Hypoglycin) । ***(यह स्वाभाविक रूप से एमीनो एसिड होता है)*** और ***मिथाइलीनसाइक्लोप्रोपाइल-ग्लाइसिन (Methylene Cyclopropyl-***

Glycine: MCPG*) होते हैं,* अधिक मात्रा में ऐसी लीची का सेवन उल्टियों (Vomiting) का कारण बनता है।

क्या है यह सिंड्रोम?

- **AES *मच्छरों द्वारा प्रेषित एन्सेफलाइटिस*** की एक गंभीर स्थिति है, इसकी मुख्य विशेषता तीव्र ***बुखार और मस्तिष्क में सूजन आना है।***
- विश्व स्वास्थ्य संगठन (World Health Organisation-WHO) ने ***वर्ष 2006*** में AES शब्द को एक ऐसे रोग समूह के रूप में दर्शाया, जो ऐसे ही एक अन्य रोग के समान प्रतीत होता है, लेकिन इसके प्रसार के अव्यवस्थित वातावरण के कारण इनमें अंतर करना मुश्किल है।
- यह बीमारी विशेष रूप से बच्चों और युवा वयस्कों को सबसे अधिक प्रभावित करती है।
- ***कारक :*** AES के प्रसार में वायरस मुख्य प्रेरक एजेंट के रूप में कार्य करते हैं, हालाँकि पिछले कुछ दशकों में अन्य स्रोत जैसे कि बैक्टीरिया, कवक, परजीवी, स्पाइरोकेट्स (spirochetes), रसायन, विषाक्त पदार्थ और गैर–संक्रामक एजेंट के कारण भी इसके प्रसार की घटनाएँ सामने आई हैं। य***ह वैक्सीन–निवारक रोग नहीं है।***
- **JEV *भारत में इसका प्रमुख कारण है (5 प्रतिशत –35 प्रतिशत से लेकर)।***
- हर्पीस सिम्प्लेक्स वायरस (Herpes simplex virus), निपाह वायरस (Nipah virus), जीका वायरस (Zika virus), इन्फ्लुएंजा ए वायरस (Influenza A virus), वेस्ट नाइल वायरस (West Nile virus), चंडीपुरा वायरस (Chandipura virus), मम्प्स (mumps), खसरा (measlè), डेंगू (dengue), स्क्रब टाइफस (scrub typhus), एस. न्यूमोनिया (S-Pneumoniae) भी AES के लिये प्रेरक एजेंट के रूप में कार्य करते हैं।
- ***लक्षण:*** भ्रम, भटकाव, कोमा या बात करने में असमर्थता, तीव्र बुखार, उल्टी और बेहोशी आदि इसके लक्षणों में शामिल हैं।

इंसेफलाइटिस क्या है:

- इंसेफलाइटिस को प्राय: जापानी बुखार भी कहा जाता है, क्योंकि यह जापानी इंसेफलाइटिस (जेई) नामक वायरस के कारण होता है।
- यह एक प्राणघातक संक्रामक बीमारी है, जो फ्लैविवायरस (Flavivirù) के संक्रमण से होती है। यह मुख्य रूप से बच्चों को प्रभावित करती है, जिनकी प्रतिरक्षा प्रणाली वयस्कों की तुलना में काफी कमजोर होती है।
- क्यूलेक्स मच्छर इस बीमारी का वाहक होता है। सूअर तथा जंगली पक्षी मस्तिष्क ज्वर के विषाणु के स्रोत होते हैं। केंद्रीय संचारी रोग नियंत्रण कार्यक्रम (National Vector Borne Disease Control Programme-NVBDCP) निदेशालय के आँकड़ों के अनुसार उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, असम और बिहार समेत 14 राज्यों में इंसेफलाइटिस का प्रभाव है, लेकिन पश्चिम बंगाल, असम, बिहार तथा उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल में इस बीमारी का प्रकोप काफी अधिक है।

सरकार की पहल :

- JE/AES के कारण बच्चों में होने वाली रुग्णता, मृत्यु दर और विकलांगता को कम करने के लिये भारत सरकार ने संबंधित मंत्रालयों के सहयोग से जापानी इंसेफेलाइटिस (Japanese Encephalitis-JE)/एक्यूट इंसेफेलाइटिस सिंड्रोम की रोकथाम और नियंत्रण के लिये राष्ट्रीय कार्यक्रम [National Programme for Prevention and Control of Japanese Encephalitis(JE)/ Acute Encephalitis Syndrome (NPPCJA), के तहत एक बहु–आयामी रणनीति तैयार की है।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय:

- JE टीकाकरण को मजबूत बनाना और विस्तारित करना
- सार्वजनिक स्वास्थ्य गतिविधियों को मजबूत बनाना
- JE/AES मामलों का बेहतर नैदानिक प्रबंधन
- भौतिक चिकित्सा और पुनर्वास (Physical medicine and rehabilitation)
- जिला परामर्श केंद्र की स्थापना
- निगरानी, पर्यवेक्षण और समन्वय
- सुरक्षित जल आपूर्ति के प्रावधान हेतु पेयजल और स्वच्छता मंत्रालय।
- कमजोर बच्चों को उच्च गुणवत्ता वाला पोषण प्रदान करने हेतु महिला और बाल विकास मंत्रालय।
- विकलांगता प्रबंधन और पुनर्वास हेतु जिला विकलांगता पुनर्वास केंद्रों की स्थापना के लिये सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय।
- मलिन बस्तियों और कस्बों में सुरक्षित पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिये आवास और शहरी गरीबी उन्मूलन मंत्रालय।
- विकलांग बच्चों को शिक्षा हेतु विशेष सुविधाएँ प्रदान करने के लिये मानव संसाधन विकास मंत्रालय (स्कूली शिक्षा विभाग)।

****

प्रीलिम्स के लिए तथ्य

❖ ***प्रोटेम स्पीकर :***

- ***मध्य प्रदेश की टीकमगढ़ लोकसभा सीट से बीजेपी सांसद डॉ. वीरेंद्र कुमार 17वीं लोकसभा के प्रोटेम स्पीकर होंगे।***
- वीरेंद्र कुमार भारत की 11वीं, 12वीं, 13वीं, 14वीं, 15वीं और 16वीं लोकसभा के सदस्य रहे हैं।

- प्रोटेम स्पीकर सदन का सबसे वरिष्ठ सदस्य होता है जो ***स्पीकर और डिप्टी स्पीकर की नियुक्ति नहीं होने तक सदन की कार्यवाही संचालित करता है।***
- राष्ट्रपति अल्पकाल के लिये एक अध्यक्ष नियुक्त करता है जिसे प्रोटेम या सामयिक अध्यक्ष कहते हैं।
- प्रोटेम लैटिन भाषा के ***'प्रो टेम्पोर'*** शब्द का संक्षिप्त रूप है जिसका अर्थ '***कुछ समय के लिये*** होता है। प्रोटेम स्पीकर का मुख्य उद्देश्य नए सदस्यों को शपथ दिलाना होता है।

❖ ***<u>खीर भवानी मेला:</u>***

- हाल ही में ***जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले में खीर भवानी मंदिर में ज्येष्ठ अष्टमी*** के वार्षिक उत्सव का आयोजन किया गया।
- यह त्योहार ***कश्मीर के पंडितों और मुसलमानों के बीच संबंधों में तेजी से सुधार लाने का माध्यम बनकर उभर रहा है।***
- ***खीर भवानी/क्षीर भवानी*** एक पवित्र झरने पर निर्मित देवी खीर भवानी ***(मूल रूप से सिर्फ भवानी)*** को समर्पित मंदिर है।
- यह ***मंदिर श्रीनगर से 14 मील*** की दूरी पर तुलमूल गाँव के पास स्थित है। खीर भवानी देवी की पूजा लगभग सभी कश्मीरी हिन्दू करते हैं।
- पारंपरिक रूप से वसंत ऋतु में इस मंदिर में खीर चढ़ाई जाती थी, इसलिये इसका नाम खीर भवानी पड़ा।

****

ICS
LUCKNOW
IAS/PCS/PCS(J)